ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:13.02.2024

उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-02-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	14/02/2024	04/02/2024	05/02/2024	06/02/2024	07/02/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.0	25.0	25.0	25.0	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	7.0	7.0	7.0	7.0	8.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	80	80	80	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	30	30	35	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	6	6	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	320	110	110	230	110
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	1	1	1	2

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (6 से 12 फरवरी) में बारिश नहीं हुई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 17.0-25.1 और 4.2-9.9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान अधिकांश दिनों में मौसम साफ देखा गया। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमश: 91-95% और 37-84% के बीच रही। हवा की गति ज्यादातर 1.2-9.5 किमी प्रति घंटे के बीच थी, जो मुख्य रूप से पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान से पता चलता है कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान 24.0-26.0oC और 7-8oC के बीच रहने की सम्भावना है और वर्षा ना होने का अनुमान है । पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम और पूर्व-दक्षिण-पूर्व से हवा की गति 6-8 किमी प्रति घंटा रहने की सम्भावना है और आगे इस क्षेत्र में शुष्क मौसम बना रहेगा।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 9 से 15 फरवरी के दौरान कम वर्षा और सामान्य अधिकतम और न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति को दर्शाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

क्षेत्र में शुष्क मौसम रहने की उम्मीद है, इसलिए उचित सिंचाई उपायों के साथ पर्याप्त नमी बनाए रखी जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर	वानस्पतिक/फूलआना	फूल आने के समय सिंचाई करनी चाहिए और फली छेदक होने पर उचित जैविक और रासायनिक नियंत्रण का पालन किया जाना चाहिए। 5% नीम के बीज की गिरी के अर्क या बी. टी. 1 की. ग्रा प्रति हैक्टर की दर से जैविक नियंत्रण संभव है। क्लोरअन्ट्रानिलिप्रोले 18.5 एस. एल. 125 मिली या इमामेक्टिन बैंजोएट 5 एस. जी. 220g का रासायनिक अनुप्रयोग 500-600 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें। पहला रासायनिक छिड़काव 50% फूल आने पर और दूसरा और तीसरा छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए।
राइ	फूल आना/फली बनना	फली बनने के समय सिंचाई करनी चाहिए। कीट और बीमारी के हमले के लिए सरसों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। उपयुक्त कवकनाशी का उपयोग करके सफेद गेरुई , झुलसा और तुलासिता जैसी फफूंदी को नियंत्रित किया जा सकता है।
गेहू	वानस्पतिक	फसल को फूल आने की अवस्था में सिंचित किया जाना चाहिए जबकि देर से बोई जाने वाली फसलों में खरपतवार नियंत्रण किया जाना चाहिए। गेरुई रोग और झुलसा को तदनुसार नियंत्रित किया जाना चाहिए।
जौ	वानस्पतिक	फसल को फूल आने की अवस्था में सिंचित किया जाना चाहिए जबकि देर से बोई जाने वाली फसलों में खरपतवार नियंत्रण किया जाना चाहिए। गेरुई रोग और झुलसा को तदनुसार नियंत्रित किया जाना चाहिए।
चारा फसलें	वानस्पतिक	फसलों को उचित समय पर काटा जाना चाहिए और हर कटाई के बाद सिंचाई करनी चाहिए।
गन्ना	परिपक्वता/वनस्पति	अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए नई गन्ने की फसल को फरवरी के मध्य में काटा जाना चाहिए और शरद ऋतु की गन्ने की फसल में गुड़ाई के साथ-साथ सिंचाई की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	वनस्पति	फसल की नियमित सिंचाई और निगरानी की जानी चाहिए।
टमाटर/मिर्च	फूल/फल बनना	आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।
बैंगन	रोपाई	बैंगन के पौधों की रोपाई इस महीने के दौरान की जानी चाहिए।
फ्रेंच बीन	बुआई	बुआई फरवरी के मध्य तक की जा सकती है।
आलू	परिपक्वता	आलू में पछेती झुलसा रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए। परिपक्व आलू की तुड़ाई करें।
नींबू		फूलों को गिरने से रोकने के लिए खट्टे पौधों को उचित पोषण और सिंचाई दी

		जानी चाहिए।
गेंदा	फूल आना	गेंदे के फूल को सूखापन और फफूंद से बचाने पर उपयुक्त कवकनाशी जैसे कि स्कोर 0 .5 मि ली प्रति लीटर और टिल्ट 1 मि ली प्रति लीटर की दर से उपयोग किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	गाय/भैंसों को केवल अफराजनित खाद्य पदार्थ जैसे कि बरसीम, अगोला, इत्यादि का सेवन न कराये। हरे चारे के साथ हमेशा शुष्क खाद्य पदार्थ मानक मात्रा में मिलकर इस्तेमाल करें। गाय/भैंसों के बछड़ों के सींग बड कलिकाओं को एक सप्ताह के उम्र पर ही नष्ट करवायें।
भेड़/बकरियां	भेड़-बकरियों के नवजात मेमनों का उपचार एवं देखभाल अच्छी तरह करें।